औपचारिक पत्र का प्रारूप

सेवा में,
प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या महोदय

.... } ← विद्यालय का नाम एवं पता
....
....

विषय :..

.... } ← मुख्य विषय वस्तु
....
....
....
....

.... } ← समापन
....

सधन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य
नामः....................................
कक्षाः..................अनुक्रमांक........
दिनांकः.................

- **विद्यालय में खेल-कूद की सामग्री की ओर ध्यान दिलाते हुए प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना-पत्र लिखिए।**

सेवा में,

श्रीमान् प्रधानाचार्य महोदय/महोदया,

जे० पी० इण्टर कॉलेज बाराबंकी

विषयः खेल-कूद की सामग्री के लिए आवेदन

महोदय,

सविनय निवेदन है कि इस वर्ष हमारे विद्यालय ने क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिताओं में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। आगामी खेल प्रतियोगिताओं के लिए टीमों का चुनाव करने से पूर्व यह आवश्यक हो जाता है कि अपने विद्यालय के खेल के मैदान की समुचित सफाई, ऊँचे-नीचे गड्ढों की भराई, माप के अनुसार मैदान की निशानदेही और यथास्थान पोल गड़वाने की सतुचित व्यवस्था की जाए। इन सबके अतिरिक्त खेल की आवश्यक सामग्री-गेंद-बल्ले, हॉकी-स्टिक, फुटबॉल, वॉलीबॉल, जाली (नेट) आदि का यथोचित प्रबंध करना भी आवश्यक है। आशा है ऊपर दिए गए विवरण के अनुसार आवश्यक प्रबंध करने और सामग्री जुटाने की दिशा में आप शीघ्र ही यथोचित कदम उठाने की कृपा करेंगे।

आपका आज्ञाकारी शिष्य

क ख ग

अनौपचारिक पत्र का प्रारूप

....
.... ← प्रेषक का नाम एवं पता
....

दिनांक :..............................

.... ← संबोधन

.... ← यथा योग्य अभिवादन

....
....
....

....
.... ← मुख्य विषय वस्तु
....
....

....
.... ← समापन

.... सम्बंध का उल्लेख

.... प्रेषक का नाम

- **किसी पर्यटक स्थल का वर्णन करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए कि वह भी कुछ दिनों के लिए आपके पास आ जाए।**

नगर निगम कॉलोनी
रामपुर, अयोध्या

प्रिय मित्र रवि,

नमस्ते।

आशा करता हूँ तुम सकुशल होगे। कल ही तुम्हारा पत्र मिला। मुझे यह जानकर पसन्नता हुई कि तुम्हारी परीक्षा समाप्त हो गई है तथा विद्यालय गीष्मावकाश के उपलक्ष्य में ३० जून तक के लिए बंद हो गया है।

मेरी बहुत दिनों से यह भिलाषा थी कि तुम्हें कुछ दिनों के लिए अपने पास बुलाएँ, परन्तु तुम्हारी परीक्षा एवं पढ़ाई का विचार कर ऐसा नहीं कर पा रहा था। अब तुम्हारी परीक्षा समाप्त हो गई है और विद्यालय भी बद हो गया है, अतः मैं तुम्हें अपने घर आने का सप्रेम निमंश्रण प्रेषित करता हूँ।

यद्यपि मेरा घर छोटे से नगर में है, फिर भी इसकी कई विशेषताएँ हैं। इस नगर में अनेक दर्शनीय एवं पर्यटक स्थल हैं। इस नगर का एक-एक कोना अपने नैसर्गिक सौंदर्य से परिपूर्ण है। मुझे पूरा विश्वास है कि तुम निश्चित रूप से मेरे निमंत्रण को स्वीकार करोगे। हम तुम्हारी प्रतीक्षा कर रहे हैं। आने से पूर्व यहाँ पहुँचने की तिथि से अवगत कराना, जिससे मैं तुम्हें लेने स्टेशन पर आ सकूँ।

तुम्हारा मित्र
क ख ग